राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 03 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 84, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पत्नी से मिलने आए युवक को कोल्डड्रिंक में दिया जहर...03

दो युवकों ने निः संतान रिश्तेदार महिला के लिए चुराई थी बच्ची...04

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीतीश बाबू के नेतृत्व पर लगाया मुहर, बोले- 'उनके कुशल नेतृत्व में बिहार रचेगा इतिहास'

स्वतंत्र प्रभात

पटना- देश के रक्षा मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह (Rajnath Singh) ने मंगलवार को बिहार प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव के लिए जीत का मंत्र दिया। वहीं इस बैठक में राजनाथ सिंह ने ये साफ कर दिया कि 'नीतीश बाबू के ही नेतृत्व में बिहार इतिहास रचने वाला है'। एक तरह से राजनाथ सिंह ने नीतीश बाबू के ही नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वहीं इस अहम बैठक में राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों पर भी करारा प्रहार किया। उन्होंने बिहार के खोए हुए गौरव को वापस लाने पर जोर दिया।

"बिहार की प्रगति से ही होगी देश की प्रगति"

राजनाथ सिंह ने कहा कि, 'बिहार की प्रगति से ही देश की प्रगति होगी। हमारी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। विकसित भारत का रास्ता विकसित बिहार से ही प्रशस्त होगा। साथियों हमारे बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में हम सभी को विकसित भारत और विकसित बिहार के संकल्प से सिद्धि को प्राप्त करना है'। राजनाथ सिंह के इस बयान से ये साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में एनडीए 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उनके इस बयान के बहुत गहरे मायने हैं। पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस,आरजेडी और प्रशांत किशोर लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर व्यक्तिगत हमला कर रहे हैं, लेकिन इन सभी आरोपों को बीजेपी आलाकमान ने सिरे से खारिज कर दिया है। बीजेपी आलाकमान ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विश्वास प्रकट किया है।

नीतीश बाबू के करीबी माने जाने वाले कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी ने भी विपक्षी दलों को अपने तरीके से जवाब दिया है। चौधरी ने कहा कि चूंकि विपक्षी नेताओं के पास नीतीश बाबू पर बोलने के लिए कोई बात है नहीं इसलिए वे बार बार उन पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। वहीं बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राजनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि बिहार को उसका खोया हुआ गौरव केवल भारतीय जनता पार्टी ही लौटा सकती है। राजनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को बताने के लिए कहा है।उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस और आरजेडी की विफल और जाति की राजनीति ने बिहार गर्त में पहुंचा दिया था। आज एनडीए का संकल्प केवल सत्ता प्राप्ति नहीं दशकों के अन्याय का प्रतिकार है जिसे बिहार ने झेला है। पिछले दो सालों में बीजेपी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास किया है।पहले सत्ता में बैठे लोग सिर्फ चारा ही नहीं खाते थे हफ्ता भी खाते थे।'

"लालू यादव, बाबा साहेब और उनके विचारों को भाव नहीं देत"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक किताब का जिक्र किया जिसमें पत्रकार संकर्षण ठाकुर लिखते हैं कि 'कर्पूरी ठाकुर जब बीमार चल रहे थे. सदन में भाषण था और उन्हें जाना था उन्होंने लालू यादव से गाड़ी मांगी। लालू जी ने कहा जीप में तेल नहीं है। वैसे भी कर्पूरी ठाकुर बड़े नेता है क्यों नहीं एक गाड़ी ले लेते। लालू जी केवल मुंह से गुरु कहते थे लेकिन उन्हें लालू यादव ने उचित सम्मान नहीं दिया। हमारे नेता पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को नई पीढ़ी को याद दिलाई'। राजनाथ सिंह ने कहा कि लालू जी ने बाबा साहेब के तस्वीर को पैर लगाया। उनसे माफ़ी की उम्मीद करना व्यर्थ है। लालू यादव, बाबा साहेब और उनके विचारों को भाव नहीं देते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि बाबा साहेब के निर्देश को मानते हुए अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का काम आजाद भारत में केवल बीजेपी ने ही किया है। नीतीश बाबू के नेतृत्व पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुहर लगा दी है। अब एकजुट एनडीए चुनावी समर में महागठबंधन को कड़ी टक्कर देगा। अगर लोकसभा चुनाव और बीच में हुए उपचुनावों के नतीजों को आधार मानें तो नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए किसी भी परिस्थिति में महागठबंधन पर भारी पड़ने वाला है।

क्या लड़की का कपड़ा उतारना भी माना जाएगा दुष्कर्म? इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया ये जवाब

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अगर कोई आरोपी किसी महिला के कपड़े उतारता है और विरोध के चलते संबंध नहीं बना पाता, तब भी यह बलात्कार की कोशिश (रेप अटेम्प्ट) मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 376 के साथ 511 के तहत मुकदमा चलाना सही है।

किस मामले में आया यह फैसला?

मिली जानकारी के मुताबिक, यह फैसला न्यायमूर्ति रजनीश कुमार की एकल पीठ ने प्रदीप कुमार उर्फ पप्पू उर्फ भूरिया के केस में सुनाया। आरोपी ने साल 2004 में एक 16-18 साल की लड़की का अपहरण किया था और उसे करीब 20 दिन तक बंधक बनाकर रखा था। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता के कपड़े उतारे और रेप की कोशिश की, लेकिन पीड़िता के विरोध के चलते वह रेप नहीं कर पाया।

कोर्ट ने क्यों ठहराया दोषी?

पीड़िता ने मजिस्ट्रेट और ट्रायल कोर्ट दोनों के सामने साफ कहा कि आरोपी ने उसके कपड़े उतारे और जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। आरोपी ने लड़की को एक मारुति वैन से अगवा किया और रिश्तेदार के घर में कैद रखा। कोर्ट ने माना कि आरोपी ने लड़की का अपहरण शादी और शारीरिक संबंध बनाने के इरादे से किया था, जो गंभीर अपराध है।

सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का भी दिया गया हवाला

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के कई पुराने फैसलों का हवाला दिया, जैसे- पंढरीनाथ बनाम महाराष्ट्र राज्य (2009), इसराइल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, इन मामलों में भी यही कहा गया था कि अगर आरोपी रेप के इरादे से कोई काम शुरू कर देता है जैसे कपड़े उतारना तो यह रेप के प्रयास की श्रेणी में आता है, भले ही संबंध बना ना पाया हो।

दुश्मनी का बहाना नहीं चला

आरोपी ने कोर्ट में कहा कि उसे झूठा फंसाया गया है क्योंकि परिवार से दुश्मनी थी। लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया, क्योंकि आरोपी इसके पक्ष में कोई ठोस सबूत नहीं दे सका।

आरोपी की सजा बरकरार

कोर्ट ने आरोपी प्रदीप कुमार को धारा 363 (अपहरण), 366 (शादी के लिए अपहरण), 376/511 (बलात्कार की कोशिश), और 354 (शारीरिक शोषण) के तहत दोषी ठहराया। उसे 10 साल की सजा पहले ही दी जा चुकी थी, जिसे कोर्ट ने बरकरार रखा और उसकी अपील खारिज कर दी।

पहले दिया था उल्टा बयान

मार्च 2024 में एक अन्य मामले में हाईकोर्ट ने कहा था कि केवल कपड़े उतारने या छूने से रेप का अपराध नहीं बनता। लेकिन इस बार कोर्ट ने साफ कर दिया कि अगर कपड़े उतारे जाते हैं और इरादा रेप का है, तो उसे रेप का प्रयास माना जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

अयोध्या नगरी के लिए मोना के प्रयास से यात्री सेवा की सौगात

लालगंज, प्रतापगढ़। श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम पहुंचने के लिए लालगंज डिपो से यात्री सेवा की सौगात मिली है। प्रतिदिन संचालित होने वाली यात्री सेवा शुरू होने की जानकारी पर बुधवार को यहां लोगों में खुशी देखी गयी। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से लालगंज से वाया बाबा घुइसरनाथ धाम, गौरीगंज, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या के लिए प्रातः सात बजे यात्री सेवा प्रस्थान करेगी। अयोध्या में एक घंटे के ठहराव के बाद यह रोडवेज बस शाम सात बजे लालगंज वापस पहुंचेगी। इस यात्री सेवा के संचालन से बाबा घुइसरनाथ धाम और अयोध्या नगरी की आस्था को भी नई चमक मिली है। लालगंज प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी आदि ने अयोध्या धाम के लिए नियमित यात्री सेवा की सौगात पर विधायक आराधना मिश्रा मोना व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के प्रति आभार जताया है।

घर में घुसकर मारपीट व तोडफोड़ में आठ पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। घर में घुसकर मारपीट तोड़ फोड़ व धमकी को लेकर पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे चौरिहन का पुरवा भटनी निवासी विपुल त्रिपाठी पुत्र राजेश त्रिपाठी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि 29 जून की शाम करीब साढ़े चार बजे गांव के अंजनी तिवारी अपने पुत्रगण विवेक तिवारी उर्फ प्रद्युम्न, अभिषेक तिवारी उर्फ चाहत व विशाल तिवारी उर्फ गुडडू तथा चार अज्ञात के साथ एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंचे। आरोपीगण घर की दीवार लांघकर अंदर घुस आये और पीड़ित के माता पिता को मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए घरेलू सामानों में तोड़ फोड़ की व जानलेवा धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल पर किया कटाक्ष

● एक ने अय्याशी के लिए बनाया शीश महल, ये जनता के लिए बना

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में जीर्णोद्धार के बाद शीश महल का उद्घाटन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक शीश महल जनता के पैसे से अपनी अय्याशी के लिए बनाया गया था, जबकि आज जिस शीश महल का उद्घाटन हो रहा है, वह जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता के प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें सौंपा गया है।

पिछली सरकार पर बोला हमला

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का विशेष धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि रूस पार्क में कई बार आ चुके हैं और इस पार्क के Restoration में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। सीएम ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यहां पर पहले कुछ भी व्यवस्था नहीं थी। ऐतिहासिक धरोहरें मिट्टी में दबी पड़ी थीं, लेकिन आज उन्हें फिर से जीवंत किया गया है। उन्होंने कहा, "मैं जनता को एक सुंदर शीश महल बनाकर सौंप रही हूं। अब इसकी देखरेख करना हमारे क्षेत्रवासियों का फर्ज है।" रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि हर विधानसभा में आज विकास के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार को रूस से बहुत तकलीफ थी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि "वर्षों से हमारी इस विधानसभा में कभी किसी ने भी झांकर भी नहीं देखा। आखिरी बार जहां पर अगर कोई मुख्यमंत्री इस विधानसभा में आया था तो वह साहिब सिंह वर्मा थे।"

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बोले

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अलावा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल भी मौजूद थे। रूस सक्सेना की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि LG का सहयोग उन्हें हमेशा से मिला है और उनका लक्ष्य एक ऐसी दिल्ली बनाना है जो सुंदर, हरित और स्वच्छ हो। उन्होंने कहा, "जो निगेटिव चीजें पहले हुआ करती थीं, अब उन्हें एक पॉजिटिव दिल्ली में तब्दील करना है। इस पार्क को हम और ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे।"

दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा, "शालीमार बाग का एक सुदीर्घ इतिहास रहा है। शालीमार बाग और इसके अंदर बनी हुई ऐतिहासिक इमारतें, शीश महल दुरावस्था की भेंट चढ़ गए थे। ASI और DDA ने मिलकर जो भव्यता और दिव्यता इस पार्क को दी है, वो निश्चित रूप से अभिनंदन के योग्य है।" शेखावत ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व की भी तारीफ की और कहा, "मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में सरकार बनने के बाद जिस तरह से कामों को गति मिली है, उसको पूरा देश और दिल्ली के लोग एक नए उत्साह और ऊर्जा के साथ देख रहे हैं।"

तो सी. एम. हाउस का करेंगे घेराव!

●चंद्रशेखर आजाद ने भीम आर्मी का किया बचाव, प्रयागराज हिंसा की CBI जांच की सख्त मांग

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज में बीते रविवार को हुए हिंसक बवाल को लेकर नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर उनके कार्यकर्ताओं के साथ गलत हुआ तो अब आंदोलन कौशांबी और इलाहाबाद में नहीं, बल्कि लखनऊ में होगा। उन्होंने कहा कि हम अपने हर एक कार्यकर्ता का पूरा संरक्षण करेंगे। अगर उन पर अत्याचार किए गए तो उत्तर प्रदेश के बहुजन समाज के लोग चुप नहीं बैठेंगे। हम सड़कों पर उतरकर मुख्यमंत्री आवास और विधानसभा का घेराव भी करेंगे।

चंद्रशेखर आजाद का बयान- अंबेडकर के अनुयायी हिंसा से दूर

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चंद्रशेखर आजाद बीते सोमवार को मुजफ्फरनगर गए थे। वहां उन्होंने शुक्र तीर्थ नगरी में संत समनदास जी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर माथा टेका। इसके बाद उन्होंने प्रयागराज की घटना पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अनुयायी कभी हिंसा नहीं करते और ना ही हिंसा को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग के लोगों पर हिंसा का आरोप लगाना बहुत आसान होता है।

हिंसा की जांच CBI से हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो

चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि कई वीडियो वायरल हो रही हैं जिनमें पुलिस के साथ मिलकर कुछ स्थानीय लोग पथराव कर रहे हैं। कई वाहन भी आग के हवाले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से होनी चाहिए और जांच के बाद जो दोषी होगा, उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए चाहे वह कोई भी हो। जब पत्रकार ने उनसे प्रयागराज हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई के बारे में पूछा, तो चंद्रशेखर आजाद भड़क गए और कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने उनका नाम लेकर कुछ नहीं कहा तो इस तरह की गलत बातें क्यों की जा रही हैं। उन्होंने पत्रकार पर मुकदमा करने की भी बात कही।

प्रयागराज में बवाल, पुलिस ने किए 50 से अधिक गिरफ्तार

आपको बता दें कि रविवार को प्रयागराज के करछना इलाके के इसौटा गांव में भीम आर्मी प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का दौरा पुलिस ने सुरक्षा कारणों से रोक दिया था। इसके बाद भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया, पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया और कई वाहन आग के हवाले कर दिए। इस घटना के बाद पुलिस ने 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया और सैकड़ों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। प्रशासन ने कहा है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पहले हाथ-पैर बांधे, फिर स्कूल के शौचालय में रिश्तेदार ने किया रेप

स्वतंत्र प्रभात

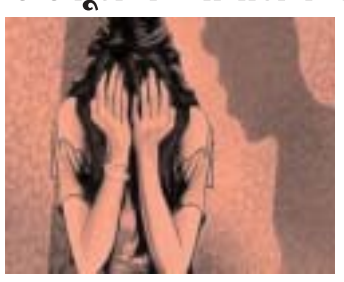

ब्रह्मपुर- ओडिशा के गंजाम जिले में सातवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ उसके दूर के रिश्तेदार ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार को गोलांथरा थाना क्षेत्र के एक गांव से 22 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना 28 जून की है, जबकि पुलिस में शिकायत 30 जून को दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी और 11 वर्षीय पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई है। छात्रा का बयान भी दर्ज कर लिया गया है। छात्रा की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपी व्यक्ति पीड़िता को जबरन स्कूल के शौचालय में ले गया। पीड़िता की मां द्वारा पुलिस में दी गई शिकायत के हवाले से ब्रह्मपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सरवण विवेक एम ने बताया कि आरोपी ने दुष्कर्म करने से पहले छात्रा के हाथ-पैर बांध दिए थे।

मेडिकल स्टोर में चल रहा था अवैध डिलीवरी सेंटर, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। सीतापुर जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रूप से डिलीवरी सेंटर चलाया जा रहा था। इस डिलीवरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है, जिसने स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा दिया है। वायरल वीडियो परसेंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) क्षेत्र के मेहंदीपुरवा स्थित अलफिशा मेडिकल स्टोर और नेशनल पाली क्लीनिक से जुड़ा बताया जा रहा है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक अप्रशिक्षित दाई के द्वारा डिलीवरी कराई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि मेडिकल स्टोर संचालक ने खुद ही इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो बनाया, जो अब वायरल हो गया है। यह घटना जनपद के कोतवाली लहरपुर क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, यह कोई पहली बार नहीं है जब इस तरह की अवैध गतिविधियों का खुलासा हुआ है।

बताया जा रहा है कि पूर्व में नोडल अधिकारी डॉ. इमरान खां ने भी इस मेडिकल स्टोर को नोटिस थमाई थी, बावजूद इसके अवैध रूप से डिलीवरी का काम जारी था। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब पहले ही इस तरह की अनियमितताओं को लेकर नोटिस जारी की जा चुकी थी, तो फिर इस पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। अप्रशिक्षित दाई द्वारा डिलीवरी कराना मां और नवजात दोनों के जीवन के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। फिलहाल, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है और इस मामले में जांच व कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में बिना अनुमति और अप्रशिक्षित लोगों द्वारा चलाए जा रहे अवैध चिकित्सा केंद्रों पर लगाम लगाने की आवश्यकता को फिर से उजागर करती है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया अहिल्याबाई प्रतिमा का लोकार्पण, जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर भड़के

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को सीतापुर में नगर पालिका परिषद द्वारा निर्मित लोकमाता अहिल्याबाई की पुनर्निर्मित प्रतिमा का लोकार्पण किया। यह प्रतिमा शहर के नेत्र अस्पताल चौराहे के पास स्थापित की गई है। लोकार्पण के बाद डिप्टी सीएम सीधे जिला अस्पताल पहुंचे, जहां अव्यवस्थाओं को देखकर उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम ने इमरजेंसी वार्ड में एयर कंडीशनर (एसी) बंद पाया, जिस पर उन्होंने तत्काल इसे चालू करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। वार्ड से बाहर निकलते ही उन्होंने देखा कि एग्जॉस्ट फैन गायब हैं, जिसके लिए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को जमकर फटकार लगाई। इसके अलावा, अग्निशामक यंत्रों की खराब स्थिति पर भी नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

अस्पताल परिसर और ओपीडी वार्ड के पीछे चैनल की ओर गंदगी देखकर उन्होंने साफ-सफाई पर जोर दिया और संबंधित अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में हड़कंप मचा रहा। इसी बीच, एक बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति राजू मिश्रा डिप्टी सीएम से मिलने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि वह लंबे समय से बैसाखी और व्हीलचेयर के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। राजू मिश्रा ने बताया कि उनके पास कोई कार्ड भी नहीं है और वह अपनी गुहार लगाने आए थे। लेकिन, अस्पताल प्रशासन के असंवेदनशील रवैये के कारण उन्हें बिना मदद के लौटना पड़ा। गर्मी में वह हाथों के सहारे जमीन पर चलकर आए, फिर भी उन्हें व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं कराई गई। हालांकि, जाने के समय उन्हें व्हीलचेयर से बाहर तक छोड़ा गया। मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ने लोकमाता अहिल्याबाई की प्रतिमा के अनावरण पर नगर पालिका को धन्यवाद दिया और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। जिला अस्पताल की स्थिति पर उन्होंने कहा कि कोविड से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है और सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। वहीं, घर-घर सिंदूर बांटने की अफवाहों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई योजना नहीं है।

बड़ी चुनौती है फैक्ट्री के धमाकों को रोकना

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में सोमवार को एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई । तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेक्टर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैक्ट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।आरोप है कि फैक्ट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था। उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नहीं आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है।दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती।नही फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती है। दुर्घटना होने के समय की चुनौती के समय के लिए प्रशिक्षित भी नही किया जाता।दुर्घटना होने पर क्या किया जाए इसका भी प्रशिक्षण नही दिया जाता। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नही होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। सही मायने में फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौत का जिम्मेदार वह अमला भी है जो समय -समय पर इनके सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण करता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान (DGFASLI) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मज़दूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं।नवंबर 2022 में आरटीआई जवाब के अनुसार, भारत में रजिस्टर्ड फ़ैक्ट्रियों में हर साल होने वाली दुर्घटनाओं में 1,109 वर्करों की मौत हो गई और 4,000 से अधिक वर्कर घायल हुए। ये 2017 से 2020 के बीच आंकड़ों के आधार पर है।वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि यह संख्या और भी ज़्यादा है क्योंकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्रों में होने वाले हादसों की रिपोर्ट दर्ज ही नहीं की जाती है।

निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। तमिलनाडु में सामान्य निरीक्षण दर 17.0 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 25.39 प्रतिशत थी। गुजरात में सामान्य निरीक्षण दर 19.33 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 19.81 मिली। 2021 के लिए अखिल भारतीय आंकड़े सामान्य निरीक्षणों के लिए 14.65 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों के लिए 26.02 प्रतिशत थे। उपर्युक्त विवरण से लिया गया है। खराब निरीक्षण दरों का एक कारण कर्मचारियों की कमी है। महाराष्ट्र में निरीक्षकों की नियुक्ति दर केवल 39.34 प्रतिशत थी। इसमें 122 स्वीकृत अधिकारियों में से केवल 48 कार्यरत थे। गुजरात में नियुक्ति दर 50.91 प्रतिशत रही , तो तमिलनाडु में यह 53.57 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय नियुक्ति दर 67.58 प्रतिशत थी। स्वीकृत पदों की संख्या पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या के सापेक्ष वार्षिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त रही है। 2021 में, अखिल भारतीय स्तर पर 953 स्वीकृत निरीक्षकों में से प्रत्येक को वार्षिक रूप से 337 पंजीकृत फैक्ट्रियों का निरीक्षण करना पड़ता है ।

मई 2024 में, महाराष्ट्र इंडस्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट में स्वीकार किया कि सुरक्षा निरीक्षण और प्रमाणन अक्सर ऑडिटरों और फैक्ट्री मालिकों या प्रबंधकों के बीच "समझ" के आधार पर किए जाते थे। यह संकेत देता है कि नियोक्ता भी श्रम निरीक्षकों के समान ही दोषी है, और भ्रष्ट प्रथाओं को "आपूर्ति पक्ष" को संबोधित करना "मांग" पक्ष के सुधार के समान ही महत्वपूर्ण है। प्रदेश सतर पर विशिष्ट सीमा मात्रा के साथ खतरनाक रसायनों और ज्वलनशील गैसों की एक सूची स्थापित की जानी चाहिए।प्रत्येक राज्य को प्रमुख खतरे वाले कार्यस्थलों की सूची बनाए रखनी चाहिए। सभी सुविधा का प्रकार, उपयोग किए गए रसायन और संग्रहीत मात्रा का विवरण हो। खतरनाक सामग्री की सूची और इन्वेंट्री को एक केंद्रीकृत डेटाबेस में संग्रहीत करें, जिस तक नियामक निकाय, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता, और जनता आसानी से पहुंच सकें।निरीक्षण प्रणाली को उदार बनाने के बजाय, सरकारों को आईएलओ सम्मेलन के प्रावधानों का पालन करके मजबूत श्रम बाजार शासन सुनिश्चित करना होगा। प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और खतरनाक और रासायनिक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए, सख्त निरीक्षणों की आवश्यकता है।

औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों को आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार -बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी। उन्हें नियमित निरीक्षण के निर्देश करने होंगे। इससे किसी दुर्घटना होने पर मौत और घायलों का आंकड़ा कम किया जा सकता है। दुर्घटना होने के हालात में इन तकनीकि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी फिक्स करनी होगी।देखने में आ रहा है कि निरीक्षण स्टाफ की फैक्ट्री स्वामियों से मिलीभगत होने के कारण उद्योग स्वामी प्रायः प्रशिक्षित स्टाफ नही रखते । उत्तर प्रदेश के अमरोहा के अगवानपुर की दुर्घटना ग्रस्त पटाखा फैक्ट्री का भी ये ही कारण रहा। फैक्ट्री स्वामी ने सस्ते के चक्कर में फैक्ट्री के आसपास रहने वाली महिलाएं रख रखी थीं। उन्हें वह मात्र तीन सौ रुपया रोज मजदूरी देता था। उनकी सामजिक सुरक्षा आदि का भी प्रबंध नही था।

केंद्र ही नही प्रदेश सरकारों को भी उद्योग स्वामियों को बताना होगा कि उनके यहां काम करने वाले श्रमिक और तकनीकि विशेषज्ञ देश की धरोहर है। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उद्योग के साथ देश और समाज की भी है।घटना होने पर मात्र जांच के आदेश और मुआवजा देने से ही काम नही चलेगा। दुर्घटना के लिए जिम्मेदारी भी तै करनी होगी। जिम्मेदार लोगों को दंडित भी करना होगा तभी जाकर ये दुर्घटनाएं रूकेंगी। एक बात और यदि उद्योग में सुरक्षा मानक कड़े हों, उद्योग श्रमिकों को समय -समय पर सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण मिले तो दुर्घटनाएं ही न हों। हों तो मौत और घायलों की संख्या बहुत कम रहे। दुर्घटनाएं न हो तो उद्योग भी न मरे।दुर्घटनाएं होने से श्रमिकों के साथ एक प्रकार से संबंधित उद्योग भी मर जाता है। अधिकतर दुर्घटनाग्रस्त उद्योग के स्वामी दुर्घटना के कारण हुए नुकसान ,श्रमिकों को मुआवजा आदि देने के कारण बर्बाद हो जाते हैं। वे दुबारा से मुश्किल से ही काम को जोड़ पाते हैं। इससे देश का एक व्यापारी,एक व्यवसायी भी एक प्रकार से मर जाता है। उसका आर्थिक रूप से मरना देश की प्रगति को भी नुकसान देता है।

अशोक मधुप

संपादकीय

साहित्य से संवेदना, सद्गति

साहित्य अध्ययन, उन्नयन मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता का आधार होता है।साहित्य सदैव मनुष्य के जीवन में संवेदना, संवेदनशीलता एवं मानवता लाने का उत्कृष्ट कार्य करता है। हमारा साहित्य, भाषा, हमें आत्मिक गौरव का सदैव अभिभाष कराती है। इसीलिए जीवन में साहित्यिक पुस्तकों का विशेष महत्व है। सतसाहित्य और भाषा से जीवन गरिमा और गहरी संवेदना लिए हुए होता है। वस्तुत अच्छा साहित्य का वाचक, एक प्रशासक, एक अच्छा अभिनेता और एक अच्छा राजनेता बन सकता है। पर दूसरी तरफ एक अच्छा राजनेता, अच्छा प्रशासक, अच्छा अभिनेता बिना भाषा ज्ञान और साहित्यिक मनन के अच्छा साहित्यकार या उत्कृष्ट मानव नहीं हो सकता है। इसके लिए मनुष्य के जीवन में साहित्य के अध्ययन, मनन और चिंतन की आवश्यकता होती है। क्योंकि साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा,उत्थान और पतन का स्पष्ट परिवेश स्वमेव उपस्थित रहता है। साहित्य की इन्हीं सब खूबियों के कारण उसे समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। साहित्य सर्वमान रूप से एक स्वायत्त आत्मा ही है, और साहित्य का रचयिता खुद स्वयं यह नहीं बता सकता कि साहित्य किसके जीवन में कब और क्या क्या परिवर्तन ला सकता है। मूलतः साहित्य सत्य के अन्वेषण की साधना और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी है। विशुद्ध जीवन एवं उच्च सत साहित्य मानव और समाज की संवेदना और उसकी सहज व्यक्तियों को युगों तक आने वाली पीढ़ियों में संचारित करता रहता है।और यही वजह है कि कबीरदास, रविंद्र नाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन मानवीय चेतना के चितेरे साहित्यकार माने गए और उन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहेगा। वास्तव में जीवन साहित्य का आधार है, चाहे वह व्यक्ति विशेष का हो, परिवार का हो, समाज का हो, राज्य का हो या राष्ट्र का हो या संपूर्ण विश्व का जीवन के बिना साहित्य की कल्पना ही असंभव और साहित्य की समृद्धि बिना जीवंत समाज का सम्यक विकास असंभव है। साहित्य, भाषा, संवेदना जीवन का मेरुदंड है। जिंदगी में यथार्थवाद समाविष्ट रहता है और साहित्य आशावादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण रहता है, इस तरह जीवन में यथार्थवाद और आशावाद एक दूसरे के पर्याय तथा पूरक हैं। साहित्य वैसे तो मानवीय जीवन में, जो है और जो होना चाहिए उसके बीच का एक जरिया ही है। साहित्य अपनी परिकल्पना उसे मानवीय समाज में मानवीय संबंधों के सुधार की जो आवश्यकता है, उस को रेखांकित करता है।मूल रूप से अच्छा रचनाकार, बड़ा साहित्यकार, समय काल में समाज की ही देन होता है। अतः जीवन में और साहित्य के मध्य जितना आदान-प्रदान होगा, वहां साहित्य एवं जीवन जीवंत, संवेदनशील और प्रभाव शाली होगा।

शेक्सपियर, तुलसीदास की कृतियां आज भी लोगों के हृदय में राज करती है। वैश्विक स्तर पर मनुष्य कितने ही जाति, राजनीति और भौगोलिक तौर पर अनेक गुटों में बट जाए, पर साहित्यिक धरातल एवं परिसीमा में सब एक हैं,सभी का बराबरी का दर्जा है। साहित्य मनुष्य को मानव और एक सहृदय व्यक्ति बनाना सिखाता है। दुनिया के सभी इंसान एक है,उनकी प्रवृतियां भी एक जैसी ही है। साहित्य सभी मानव में संवेदना भरकर करुणा, दया तथा परस्पर स्नेह के भाव पैदा करता है। साहित्य समय की धारा से अछूता नहीं रह सकता है। साहित्यकार उस समय काल की धारा में बैठकर उस समय की पीड़ा, संत्रास और उत्पीड़न को लेकर अपनी रचनाएं करता है, और समाज को एक परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करता है। जिस समाज में साहित्यिक परंपरा विशाल एवं समृद्ध है,वह समाज हमेशा से जीवंत और प्रगतिशील माना गया है। सत साहित्य सदैव मानवी सहज प्रवृत्तियों के साथ समय की धारा के साथ परिवर्तित एवं परिमार्जित होता रहा है। और यही कारण है कि एक अच्छा साहित्यकार एक अच्छा मनुष्य माना जाता है। और उसकी कृति युगों युगों तक जनमानस को प्रेरित, उत्प्रेरित तथा उत्साहित करती रहती है। साहित्य भविष्य की रूपरेखा वर्तमान को सामने रखकर सुनिश्चित करते हुए मानव के सोए हुए विवेक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करता है। और श्रेष्ठतम साहित्य में मनुष्य के भीतर तथा बाहर के सार्वभौमिक मूल्यों,संदेशों और उद्देश्य को अंतर्निहित किए रहता है। यही कारण है की

मनुष्य के जीवन में निराशा, आशंका का प्रादुर्भाव हमेशा से बना रहता है, और साहित्य जीवन में आशा, विश्वास एवं भविष्य की परिकल्पना उसे सुसज्जित रहता है। जीवन को एक नया दृष्टिकोण, एक नई दृष्टि और नया उजाला प्रदान करता है।

संजीव ठाकुर

विवाह संस्कार को कलंकित कर हत्यारिन बनती नवयौवनाए!

समझ में नहीं आता है कि क्या यह वही भारतीय समाज है जिसकी ललनाएं विवाह को सात जन्म का पवित्र सम्बन्ध मानकर यमराज से भी टकराने का साहस करती थी ऐसे एक नहीं लाखों उदाहरण है जिनमें विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पति की प्राण रक्षा के लिए अनेक कष्ट सहन कर अपनी जान की भी बाजी लगा दी लेकिन बोए पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए यह वो समय था जब भारतीय समाज की लड़कियां शैशव काल से सीता सावित्री गार्गी और लक्ष्मी बाई की चरित्र गाथाओं को पढ़ने सुनने के बाद अपने चरित्र को सर्वोच्चता देती थी लेकिन आज दौर बदल चुका है एकता कपूर के सीरियलों को देख कर पैदा और परवरिश पा रही लड़कियों को समझ नहीं आ रहा है कि सीरियलों में दर्शाये गए विवाह पूर्व प्यार सेक्स लिव-इन और विवाहेत्तर संबंधो में कौन सा रिश्ता सत्य है? बिन फेरे हम तेरे लिव-इन रिलेशन को मान्यता दे रही अदालतों और मूकदर्शक बने समाज में लोकलाज का भय समाप्त हो गया है और प्रकृति प्रदत्त सुकुमार कोमल और जल्द भ्रमित होने वाली जींस को लेकर जन्म लेने वाली लड़कियां एक बेहद भोगी कामातुर सोशल मीडिया पर रील बनाने में लगे समाज में दिग्भ्रमित होकर जाने अनजाने अपराध के रास्ते पर भटक रहीं हैं और रिश्तों का कत्ल करने से नहीं चूक रहीं हैं। इस बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों को तार-तार करने वाली घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही है, जो बेहद चिंता जनक है, क्योंकि कहीं बेटा अपनी मां-बाप की हत्या कर रहा है, तो कहीं पति अपनी पत्नी की। सिर्फ इतना ही नहीं, अब तो पत्नियां भी अपने पति की हत्या कर और करवा रही है। हर रिश्ता विश्वास और भरोसे पर टिका होता है, लेकिन पिछले कुछ समय में ऐसी घटनाएं सामने आ रही है, जो दर्शाती है कि रिश्तों में विश्वास और भरोसा खत्म होता जा रहा है। भौतिकवादी दौर में इंसान इतना ज्यादा स्वार्थी होता जा रहा है कि यह रिश्तों के मायने ही भूलता जा रहा है। हाल में ऐसी ही एक घटना मेघालय के रमणीय पर्यटक स्थल शिलांग से सटे चेरापूंजी में सामने आयी है, जो मानवता को झकझोरने वाली है। इंदौर के नव विवाहित युवक राजा रघुवंशी की हत्या मामले में जो सच्चाई सामने आयी है, उसने पूरे देश को चौंका दिया है। ये पूरा मामला प्यार, शादी और धोखे का ऐसा मिश्रण है, जिसने समूचे देश को झकझोर दिया है। भारतीय समाज में शादी के बंधन को सात जन्मों का साथ माना जाता रहा है, पर आजकल के रिश्ते सात जन्म तो दूर ठीक से सात दिन सात हफ्ते में ही दरक रहे हैं। पुलिस खुलासे में पत्नी सोनम रघुवंशी ही इस हत्याकांड की मुख्य साजिश कर्ता के तौर पर सामने आई है। बताया जा रहा कि सोनम ने अपने फर्म के ही कर्मचारी प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची । शादी से पहले सोनम और राज के बीच प्यार था। लेकिन घरवालों ने उसकी शादी राजा से करवा दी। पुलिस का आरोप है कि पत्नी सोनम ने ही राजा को रास्ते से हटाने के लिए ये साजिश रची। इस पूरे घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर किस पर भरोसा करें। जब पनी ही अपने सुहाग की कातिल बन जाए तो शादी जैसे पवित्र रिश्ते पर कैसे भरोसा किया जाएगा। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के वीडियो में राजा और सोनम बेहद खुश नजर आ रहे। वो डांस करते दिख रहे। शादी के बाद सोनम ने ही हनीमून के लिए शिलॉन्ग की टिकट कराई थी। हालांकि, राजा रघुवंशी का हनीमून पर जाने का प्लान नहीं था। लेकिन पत्नी की जिद के आगे वो तैयार हो गया। जानकारी ये भी आ रही कि सोनम ने वापसी को लेकर टिकट नहीं कराया था। मेघालय पहुंचने के बाद 23 मई को अचानक ही राजा रघुवंशी और सोनम लापता हो गए। फिर राजा की लाश तो मिली लेकिन सोनम का पता नहीं चला। 9 जून की सुबह-सुबह खबर आई कि सोनम यूपी के गाजीपुर में एक दावे के पास देखी गई। इसके बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह मामला केवल एक हत्याकांड नहीं, बल्कि सामाजिक दवाव, मनोवैज्ञानिक जटिलताओं, और संगठित अपराध के संभावित नेटवर्क का एक जटिल मिश्रण है। देखा जाए तो समाज में पहले यह सुनने को मिलता था कि पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, लेकिन कुछ समय से इसके विपरीत खबरे आ रही है। इस साल में कई पत्नियों ने अपने पतियों को मौत के घाट उत्तरवा दिया। रिश्ते और भरोसे के कत्ल की यह पहली वारदात नहीं है। इससे पहले मेरठ का सौरभ हत्याकांड सामने आया था। इसी साल 3 मार्च 25 को मेरठ उत्तर प्रदेश की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। उसके शव के कई टुकड़े कर नीले ड्रम में सीमेंट के साथ डाल दिया था। फिर मुस्कान और साहिल घूमने चले गए। जब दोनों लौटे तब सौरभ की हत्या का खुलासा हुआ, फिलहाल दोनों जेल में बंद है। मेरठ में ही अमित कुमार की हत्या उसकी पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर कर दी थी। इस हत्या को हादसा साबित करने के लिए रविता ने अमित के शव के पास सांप रख दिया था और लोगों को बताने लगी कि अमित की सांप के काटने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद रविता का झूठ पकड़ा गया। उसने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर अमित की गला घोंटकर हत्या की थी। इसी साल बिजनौर में भी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी। रेलवे में कर्मचारी दीपक कुमार की संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली थी। पत्नी शिवानी ने ससुराल वालों को बताया कि दीपक की हार्ट अटैक से मौत हुई है। दीपक के परिवार वालों को शक हुआ तो वह लाश का पोस्टमार्टम कराने की मांग करने लगे। शिवानी ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस ने जब पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि दीपक की गला घोंटकर हत्या की गई थी और पत्नी ही कातिल निकली। इसी साल मार्च में बिजनौर में एक और पत्नी ने अपने पति की हत्या करवा दी थी। 13 मार्च को होली के दिन मकरेंद्र अपनी पत्री पारुल की दवा लेने मार्केट गए थे, लेकिन वह वापस नहीं लौटे। 15 मार्च को मकरेंद्र की लाश अमरोहा में मिली। पुलिस की जांच में पता चला कि पारुल का प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसकी भनक मकरेंद्र को लग गई थी। इसके बाद पारुल ने अपने प्रेमी विनीत के साथ मिलकर मकरेंद्र की हत्या करवा दी। पिछले एक साल के भीतर ऐसी कई घटनाएं सामने आयी हैं। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। ऐसी घटनाएं दर्शाती है कि समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी की हत्या की क्यों न करना पड़ें। लोगों में नैतिकता और ईमानदारी घटती जा रही है और लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। समाज में जो घटनाएं हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के उस दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्त्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होती जा रही हैं। समाज में बढ़ते अपराधों को देखकर ऐसा लगता है कि इंसानियत, सहनशीलता और प्रेम धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। भारतीय समाज में नैतिक संस्कारों रिश्तो की मर्यादा और पवित्रता के मानवीय गुणों को किस तरह बनाए रखा जाए इस पर गहन विचार और व्यवहार की जरूरत है ताकि लड़के लड़कियों में समाज के लोकलाज का भय बने और रिश्तों की पवित्रता बनी रहे।

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या हत्या के आरोपियों को मीडिया में अधिक कवरेज मिलना चाहिए?

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है और भारत में यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है। इसका कार्य केवल देश-विदेश की घटनाओं से समाज को परिचित कराना नहीं, बल्कि जनमत निर्माण, नैतिक दिशा-निर्देशन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनना भी है। किंतु जब मीडिया अपराध और अपराधियों को इस प्रकार प्रस्तुत करने लगे मानो वे कोई 'सेलेब्रिटी' हों, तो यह गंभीर चिंतन का विषय बन जाता है। उदाहरण के रूप में सोनम रघुवंशी के प्रकरण को देख सकते हैं जिस पर अपने पति की हत्या का आरोप है। मीडिया द्वारा कुछ ज्यादा ही कवरेज दे दिया गया है। क्या यह उचित है? क्या यह नैतिक मूल्यों के क्षरण का संकेत नहीं है? हत्या, चाहे किसी ने की (पुरुष/महिला)हो या किसी के भी साथ हुई हो, एक गंभीर आपराधिक कृत्य है, इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। हर नागरिक – चाहे वह अमीर हो या गरीब – के साथ न्याय होना चाहिए, और अपराधी को कानून के अनुसार कठोर दंड मिलना चाहिए। परंतु जब न्यायालय का निर्णय आए बिना ही किसी मामले को 'सेंसेशनल' बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, तो यह क्या उचित है विचार करने का प्रश्न है? अक्सर देखा गया है कि मीडिया ट्रायल एक बड़ा खतरा बन सकता है, जिससे आरोपी और पीड़ित – दोनों के अधिकारों का हनन होता है। उदाहरण के रूप में सोनम के मामले में रिपोर्टिंग इतनी आक्रामक रही कि एकतरफा छवि उभरने लगी – या तो वह 'क्रूर हत्यारिन' है या 'बेबसी की शिकार'। जबकि सत्य तो केवल न्यायालय के निर्णय से ही स्पष्ट होगा। इस केस में केवल अपराध नहीं, बल्कि एक महिला के 'चरित्र', 'जीवनशैली' और 'अतीत' को भी विकृत रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे आरोपी महिला को दोहरा दंड मिलता है – एक कानून द्वारा और दूसरा समाज की 'नैतिक पुलिसिंग' द्वारा।इस प्रकरण से समाज में एक नया विमर्श शुरू हो गया है कि क्या नवविवाहिता महिला भी इतनी क्रूर और निर्दई हो सकती है कि अपने सुहाग को, माथे के सिंदूर को अपने ही हाथों से मिटा दे ?इस तरह की घटनाओं के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है?पारिवारिक और नैतिक मूल्यों का क्षय,या परिवार में संवाद की कमी, या अश्लीलता, हिंसा और लालच का बढ़ावा देने वाली सामग्री, या शिक्षा और संस्कारों में चरित्र निर्माण की उपेक्षा, या महिला सशक्तिकरण के नाम पर कानूनी दुरपयोग की प्रवृत्ति, या मानसिक और आर्थिक तनाव आदि।

डिजिटल युग में मीडिया एक सशक्त मार्गदर्शक बन चुका है। जब किसी महिला या पुरुष आरोपी की पोशाक, चाल-ढाल और सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अनावश्यक चर्चा होती है, तो इससे समाज को एक विकृत संदेश जाता है कि नकारात्मक कृत्य भी प्रसिद्धि का साधन बन सकते हैं। यह एक मूल्यहीन समाज की नींव डाल सकता है। कई बार आरोपी पर केंद्रित रिपोर्टिंग इतनी प्रबल हो जाती है कि असली पीड़ित , मृतक और उसके परिजन – पृष्ठभूमि में चले जाते हैं। इससे 'क्रूरता के प्रति आकर्षण' और 'दुख के प्रति उदासीनता' जैसी प्रवृत्तियाँ जन्म लेती हैं।ऐसी रिपोर्टिंग में अपराध एक 'स्पेक्टैकल' बनकर रह जाता है – देखने, चौंकने और बाँटने योग्य दृश्य। उदाहरण के लिए सोनम के मामले में भी ध्यान आरोपी पर केंद्रित ज्यादा रहा, न कि पीड़ित पर। यह हमारी सामाजिक संवेदनाओं की शिथिलता को दर्शाता है।

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि जब आपराधिक घटनाओं को लगातार नाटकीय अंदाज़ में प्रस्तुत किया जाता है, तो युवा वर्ग के मन में अपराध के प्रति संवेदना कम हो जाती है और जिज्ञासा या आकर्षण बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह एक खतरनाक सामाजिक प्रवृत्ति है। अतः मेरा ऐसा मानना है कि गंभीर आपराधिक मामलों में मीडिया की भूमिका अत्यंत जिम्मेदार और संयमित होनी चाहिए। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी आरोपी को 'दोषी' या 'निर्दोष' घोषित करने से बचना चाहिए। क्योंकि इस प्रकार की रिपोर्टिंग न केवल न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकती है, बल्कि अपराध को मनोरंजन का स्वरूप भी दे सकती है। मीडिया को चाहिए कि वह विवेक और संतुलन के साथ रिपोर्टिंग करे तथा पीड़ित और आरोपी – दोनों की गरिमा की रक्षा को प्राथमिकता दे। समाचारों की शक्ति केवल सूचना देने में नहीं, बल्कि समाज को अपराध मुक्त बनाने में है। मिडिया अद्भुत शक्ति शाली है उसमें दिशा निर्धारित करने की क्षमता है। और इस दिशा को 'संवेदनशील', 'न्यायप्रिय' और 'नैतिक' बनाए रखना ही मीडिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

डॉ मनमोहन प्रकाश

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष-कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

वृष-सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

मिथुन-डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा। कानूनी समस्या हो सकती है।

कर्क-कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

सिंह-जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या-पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रमाद न करें।

तुला-सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

वृश्चिक-बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

धनु-रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर-भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ-कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें।

मीन-चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

प्रोफेसर शर्मिला शर्मा सेवानिवृत प्रो. प्रतिमा ने संभाला पदभार

अलीगढ़। टीकाराम कन्या महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा एवं चार प्राध्यापिकाओं प्रोफेसर बृजरानी श्रीवास्तव संगीत विभाग, प्रोफेसर प्रभा वार्ष्णेय संगीत विभाग, प्रोफेसर संगीता कुमार रसायन विज्ञान विभाग एवं प्रोफेसर रेखा आर्य वनस्पति विज्ञान विभाग की सेवानिवृत्ति अपने लंबे समय का कार्यकाल पूर्ण करने के पश्चात हुई। सभी प्राध्यापिकाओं व प्राचार्या ने अपनी निष्ठा एवं समर्पण से टीकाराम महाविद्यालय को नई ऊंचाई प्रदान की । महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने 4 वर्ष के सेवाकाल में छम्च् 2020 का सुचारू संचालन एवं अनेकानेक संस्थाओं से जुडकर छात्राओं की प्रगति का पथ प्रशस्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी को जलपान कराया व तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को उपहार भेंट किए गए। प्रोफेसर प्रतिमा श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग ने प्राचार्या के द्वारा कार्यभार ग्रहण किया प्रो प्रतिमा श्रीवास्तव भी अपनी सौम्यता एवं कर्मठता के लिए महाविद्यालय में लोकप्रिय है। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाओं ने उन्हें बधाई दी।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की मांग

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-4 के तत्वावधान में "महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में महिलाओं की भूमिका, चुनौतियों और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। कैसे महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में सशक्त भूमिका निभा सकें। वेबिनार में विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। वेबिनार की मुख्य वक्ता डा. शीतल सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में काफी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत चिंता का विषय है। जब तक महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं होंगी, तब तक उनका सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। समाज में महिलाओं को केवल घरेलू भूमिकाओं तक सीमित कर देना, उनके विकास में बड़ी बाधा है। उन्होंने बेटियों को शिक्षा और स्वरोजगार के अवसर देने की आवश्यकता पर बल दिया। संयोजक और एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. नियति शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक करना था। एनएसएस समन्वयक डा. पूनम रानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से संदेश देना जरूरी है कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक सामाजिक आवश्यकता है।

Notice

I am Utkarsh Gupta son of Shri Ravi Shankar Gupta resident of Mohalla Mission Road Rasra, Tehsil Rasra, District Ballia Uttar Pradesh. My High School mark sheet Roll No. 1234952/086 is actually lost somewhere if anyone can get then please Try to send to the address.

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम आदित्य धीमान, पुत्र हरिओम जयपुष्प, निवासी 3/42 ए, जी कॉलोनी, गोयल चौराहा के पास, सेक्टर-ओ, अलीगंज, लखनऊ है। शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम केवल "आदित्य" दर्ज हो गया है, जो कि असत्य एवं अपूर्ण है। अतः स्पष्ट किया जाता है कि भविष्य में मेरे पुत्र को सही नाम "आदित्य धीमान" पुत्र हरिओम जयपुष्प से ही जाना-पहचाना जाए।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम विक्रांत धीमान, पुत्र हरिओम जयपुष्प, निवासी 3/42 ए, जी कॉलोनी, गोयल चौराहा के पास, सेक्टर-ओ, अलीगंज, लखनऊ है। शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम केवल "विक्रांत" दर्ज हो गया है, जो कि असत्य एवं अपूर्ण है। अतः स्पष्ट किया जाता है कि भविष्य में मेरे पुत्र को सही नाम "विक्रांत धीमान" पुत्र हरिओम जयपुष्प से ही जाना-पहचाना जाए।

आस्था व राष्ट्रीय एकात्मता की प्रतीक कावड़ यात्रा के यात्रियों के अधिकारों की भी हो रक्षा- विहिप

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। जुलाई 1, 2025। विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेन्द्र जैन ने कावड़ यात्रा के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता, समरसता और एकात्मता की प्रतीक इस यात्रा का सभी मत-पंथ संप्रदाय व धर्मों के लोगों को ना सिर्फ खुले मन से स्वागत करना चाहिए अपितु, कावड़ यात्रियों के संवैधानिक अधिकारों की भी रक्षा करनी चाहिए। कावड़ यात्रा अनादि काल से चली आ रही है। लगभग 8 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष इस पवित्र त्रा में भाग लेते हैं। वे 'बम भोले' के साथ 'भारत माता की जय' का उद्घोष भी करते हैं। अपने कंधे पर कावड़ लेने के साथ, हाथ में तिरंगा लेकर भी चलते हैं। यह यात्रा आस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, समरसता और एकात्मता का प्रतीक बन चुकी है। डॉ सुरेन्द्र जैन ने आज यह कहा कि इस यात्रा का समाज के सभी वर्गों के द्वारा भरपूर स्वागत होना चाहिए। यात्रियों के लिए व्यवस्थाएं जुटानी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य से हरिद्वार से लेकर दिल्ली तक के रास्ते में कई बार इन यात्रियों पर हमले होते थे, जान से मार दिया जाता था, मल-मूत्र और मांस के टुकड़े फेंक कर कावड़ को अपवित्र किया जाता था। यात्रा रोक दी जाती थी। सेकुलर सरकारें जिहादी हमलावरों के संरक्षण पर खड़ी होती थी। यात्रियों की आस्थाओं का उनके लिए कोई अर्थ नहीं होता था।

यूपी सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि योगी सरकार आने के बाद यात्रियों और उनके सम्मान की सुरक्षा के लिए कुछ नियम बनाए गए और उसका परिणाम हमलावर समाज पर भी दिखाई दिया। कुछ मुसलमानो ने स्वागत करना शुरू किया परंतु जेहादियों ने एक नया प्रकार खोज लिया। थूक कर रोटियां बनाना, जूस में पेशाब मिलाना, अपने नाम व पहचान छुपा कर हिंदू नाम से दुकान खोलकर हलाल के समान के साथ यात्रियों को भोजन भी देना। इससे हिंदुओं की आस्थाएं अपमानित होती थीं। यह यात्रियों का अधिकार है कि जिस दुकान से वह सामान ले रहे हैं, वह दुकान किनकी है। किसी जिहादी के द्वारा चलाई जा रही दुकान तो नहीं है, यह जानने का उसका संवैधानिक अधिकार है। इसलिए वर्तमान सरकार ने जो नियम बनाए हैं हम उन नियमों का स्वागत करते हैं। वे नियम यात्रियों के लिए भी है और वहां पर रहने वाले समाज के लिए भी। यात्री तो नियमों का पहले से ही पालन करते हैं। वहां का सम्पूर्ण समाज भी करेगा यह हमारी अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि यह देखा गया है कि जब ऐसा कोई भी विषय आता है तो कुछ लोग तुरंत न्यायपालिका में जाते हैं और कोई एक जज अपने व्यक्तिगत संस्कार और विचारों के आधार पर तुरंत स्टे दे देता है। इससे न्यायपालिका की आलोचना भी शुरू हो जाती है।

सोशल मीडिया पर कोई नियंत्रण नहीं रहता है। न्यायपालिका के सम्मान की सुरक्षा हमारी भी चिंता का विषय है। लेकिन जिम्मेदारी न्यायपालिका की भी बनती है। इसलिए हम मुख्य न्यायाधीश महोदय से निवेदन करते हैं कि वे सभी न्यायाधीशों को संकेत दें कि किसी भी विषय पर निर्णय देने से पहले हिंदुओं के संवैधानिक अधिकारों का भी विचार करें। संविधान के धारा 25 और 26 हिंदुओं के अधिकारों के लिए भी हैं। स्थानीय परिस्थितियों, हिंदुओं की भावनाओं तथा वहां की परिस्थितियों, इन सब का विचार करके ही निर्णय देना चाहिए।डॉ जैन ने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ लोग इस विषय को राजनीति से भी जोड़ने की कोशिश करते हैं। भारत में तो प्रत्येक महीने कहीं ना कहीं चुनाव होते ही रहते हैं। यात्रा हर वर्ष निकलती है, निश्चित तिथि पर निकलती है। इसको राजनीति से जोड़ने वाले वास्तव में, हिंदू आस्थाओं का अपमान करते हैं। इसको बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वह अपने वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इतना नीचे ना गिरे कि उनका उठाना मुश्किल हो जाए।

बेखौफ बदमाशों ने पुलिसकर्मी की फाड़ी वर्दी तीन में से एक आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के ग्राम चंगा खेडा में उस समय हड़कंप मच गया जब ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अनुज भाटी पर तीन अज्ञात युवकों ने हमला कर दिया। यह मामला बीते सोमवार को सामने आया है जब पुलिसकर्मी नगराम थाने से चंगा खेडा विवेचना हेतु निकले थे।रास्ते में जब वह बरकत नगर चौराहे के पास पहुंचे, तो देखा कि बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सड़क के बीच खड़ी है, जिस पर तीन युवक सवार थे। पुलिसकर्मी ने जब पूछताछ के लिए उन्हें रोका, तो आरोपियों ने विरोध कर दिया और गाली-गलौज करते हुए अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी और सरकारी वाहन की चाबी छीनने का प्रयास किया। घटना के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा मदद मांगे जाने पर स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य मौके से फरार हो गए।

पकड़े गए युवक की पहचान धर्मेंद्र उर्फ बीर पुत्र छोटेलाल निवासी साहनखेड़ा, थाना गोसाईगंज लखनऊ के रूप में हुई है।फरार हुए अन्य दो आरोपियों की पहचान राहुल पुत्र रमेश व नारायण पुत्र जयकरण निवासी ग्राम साहनखेड़ा, थाना गोसाईगंज जनपद लखनऊ के रूप में हुई है।

पकड़े गए आरोपी को थाना लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि "पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उन्हें भी हिरासत में लिया जाएगा।इस दुस्साहसिक घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और पुलिस बल ने सुरक्षा

3श्रेष्ठ कार्य है ज्ञानदान- उमानन्द शर्मा

● गायत्री ज्ञान मंदिर का ज्ञान यज्ञ अभियान, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के पुस्तकालय में हुई 441वें युगऋषि वाङ्मय की स्थापना

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक'' के सन्दर्भ पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 441वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्ता एम0के0 निरंजन एवं अर्चना निरंजन ने अपने माता-पिता मिथिलेश निरंजन एवं प्रसाद निरंजन की स्मृति में भेंट किया तथा उपस्थित लोगों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की।

इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ज्ञानदान श्रेष्ठ कार्य है। इस अवसर पर बृजेश पाठक ने अभिनन्दन करते हुये कहा कि ऋषि का सद्साहित्य हमें प्राप्त हुआ यह हमारा सौभाग्य है। उन्होंने एम0के0 निरंजन, अर्चना निरंजन सहित गायत्री परिवार को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि एम0के0 निरंजन, अर्चना निरंजन, उमानंद शर्मा, सावित्री शर्मा, वी0 के0 श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह और डॉ0 नीलम गुप्ता, उषा सिंह, कमला सक्सेना सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शक्ति केंद्रों का भाजपा जिला अध्यक्ष ने किया दौरा

● ...कार्यकर्ताओं को दिए संगठन को सशक्त करने के निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय मौर्य ने मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के मंडल मोहनलालगंज, निगोहां और नगराम के शक्ति केंद्रों का दौरा किया। इस प्रवास के दौरान उन्होंने शक्ति केंद्रों पर पहुंचकर बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित किया तथा संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन की नींव बूथ स्तर पर कार्य कर रहे कार्यकर्ता ही होते हैं और इनकी सक्रियता से ही पार्टी की जड़ें मजबूत होती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को पूरी निष्ठा और समर्पण से बूथ स्तर तक पहुंचाएं, जिससे संगठन की नीति और नीयत आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से पार्टी द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक पौधे रोपे जाएं और लगाए गए पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी कार्यकर्ता अपने स्तर से निभाएं। विजय मौर्य ने कहा कि हर कार्यकर्ता "पालक" के रूप में एक पौधे की रक्षा करे, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज में व्यापक रूप से जाए।

दौरे के दौरान शक्ति केंद्र संयोजकों, बूथ अध्यक्षों और अन्य कार्यकर्ताओं ने भी संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार रखे और समस्याएं साझा कीं, जिनका समाधान जिला अध्यक्ष द्वारा आश्वस्त किया गया।इस प्रवास कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय 'धीरू',ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला, मंडल अध्यक्ष मोहनलालगंज चक्रवीर सिंह, मंडल अध्यक्ष निगोहां ललित सिंह, मंडल अध्यक्ष नगराम बलराम कश्यप, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, श्याम प्यारी लोधी, आशुतोष शुक्ला, सभासद हिमांशु सिंह, सहित बड़ी संख्या में शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर जिला अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के आगामी

दो पक्षों में मारपीट एक ही परिवार के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज

● निगोहां थाना क्षेत्र का मामला।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ राजधानी लखनऊ के निगोहां के थाना ब्रहमदासपुर गांव में आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट और धमकी तक जा पहुंचा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए निगोहां थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने एक ही परिवार के खिलाफ दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निगोहां थाना क्षेत्र ब्रह्मदासपुर गांव निवासी रेखा देवी पत्नी आशाराम रावत ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के ओमकार पुत्र राकेश रावत, गुलशन पुत्र शैलेन्द्र रावत, कृष्णदीपक पुत्र जनार्दन रावत और जनजीवन पुत्र साहेबलाल रावत उनके घर के सामने आकर बिना किसी कारणवश अश्लील व गंदी-गंदी गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने गाली-गलौज के साथ ही लाठी-डंडों से हमला कर दिया।इस दौरान पीड़िता की बेटियां सपना और दुर्गा जब उन्हें बचाने आईं तो आरोपियों ने उन्हें भी पीटा, जिससे तीनों को गंभीर चोटें आईं। यही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वहीं दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि नशे में गाली-गलौज व मारपीट, जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ओमकार पुत्र राकेश रावत ने भी थाने में तहरीर दी है कि आशाराम पुत्र मैकटूलाल रावत, सपना पुत्री आशाराम रावत और आशाराम की पत्नी ने उनके घर के सामने आकर शराब के नशे में गंदी-गंदी गालियां दीं।जब उन्होंने इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर निगोहां पुलिस ने इस मामले में भी विधिक कार्यवाही करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है।थानाध्यक्ष निगोहां अनुज कुमार तिवारी के अनुसार, दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 52 वे जन्म दिवस पर संकल्प दिवस पर पीडीए सम्मेलन

● भाजपा बहुराष्ट्रीय कंपनियों को ढ़ावा देकर प्रदेश के लघु उद्योग को बर्बाद कर रही है- हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 52 वे जन्म दिवस संकल्प दिवस के रूप में पीडीए सम्मेलन गोविंद नगर कैंट आर्य नगर सीसामऊ किदवई नगर सहित सभी विधानसभा क्षेत्रो के 1607 बूथों पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में मिष्ठान वितरण तथा केक काटकर विधानसभा अध्यक्षों फंटल संगठनों ब्राह्मण महासभा के सदस्यों शिक्षकों प्रबुद्ध सभा के साथियों के साथ सादगी के साथ जन्मदिन मनाया गया तथा सपा कार्यालय में आयोजित पीडीए सम्मेलन में केक काटकर मिष्ठान वितरण कर जन्मदिन की बधाई भेजी गई। कार्यालय में आयोजित पीडीए सम्मेलन का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू ने किया।

उक्त अवसर पर आयोजित पीडीए सम्मेलन को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ रही है बिजली की समस्या विकराल बनती जा रही है बिजली के बिलों में बढ़ोतरी कर उपभोक्ताओं पर बोझ लादा जा रहा है लेकिन उपभोक्ताओं का अतिरिक्त 33122 करोड रुपए का आज तक समायोजन भी नहीं किया गया है। महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि भाजपा सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बढ़ावा देकर लघु उद्योगों को बर्बाद कर रही है जिसकी वजह से विदेशी उत्पादों के आगे देसी उत्पादों को महत्व नहीं दिया जा रहा है सरकार द्वारा बहुराष्ट्रीय कंपनियों व निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप ले रही है।महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि भाजपा स्वदेशी मंच भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को तरजीह देने लगा है भाजपा लघु उद्योगों पर ध्यान न देकर विदेशी कंपनियों को महत्व के कारण मोहल्लों की लाखों परचून कारोबारियों का कारोबार चौपट होने के कगार पर पहुंच गया है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद प्रदेश सचिव के के शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू,राष्ट्रीय सचिव रामगोपाल पुरी पूर्व विधायक रामकुमार एडवोकेट राजीव शर्मा अम्बर त्रिवेदी कमलेश यादव नंदलाल जयसवाल आनंद शुक्ला बादशाह सलाम इदरीसी राहुल वर्मा निशांत गुप्ता जीतू शर्मा राजेंद्र कोरी शादाब आलम मुन्ना अली रेहान

जद (यू0) का बूथ जीतो चुनाव जीतो पंचायत वार बूथ कमिटी की बैठक

● दो पाली में तीसरे दिन महाराजगंज, बड़हरिया, रघुनाथपुर, जीरादेई में सम्पन्न- जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल

स्वतंत्र प्रभात

सिवान/गोपालगंज- जनता दल युनाइटेड पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिह कुशवाहा के दिशा निर्देश में 29 जून से बिहार में दूसरे चरण में 109 विधानसभा क्षेत्र मे एंसिवान जिला के 4 विधानसभा क्षेत्र महाराजगंज, बड़हरिया, रघुनाथपुर, एंजीरादेई मे पंचायत वार दो पाली में पूर्व से हर बूथ पर चयनित बूथ कमिटी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश महासचिव सह सिवान जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल ने बताया की बैठक को वर्चुअल वीडियो कॉंफ्रेंसिग् के माध्यम से प्रदेश कार्यालय से प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिह कुशवाहा ने बैठक में उपस्थित जिला संगठन प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, प्रखण्ड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, राज्य परिषद सदस्य, बूथ कमिटी के सदस्यों,सांसदो, विधायको, पूर्व सांसदो को सम्बोधित करते हुए कहा की सभी लोग अपने अपने बूथों पर संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय रूप से लग जाए और सरकार की योजनाओ से हर मतदाता को बताये और नितीश कुमार की उपलब्धियों के साथ लोगो के घर घर तक पहुँचे। जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल ने महाराज गंज मे कहा कि विधानसभा चुनाव में फिर से नितीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाना है। बैठक में जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल, जिला अध्यक्ष चन्द्र केतु सिह, विधानसभा प्रभारी पशुपति नाथ पटेल, विकाश कुमार सिह उर्फ जीशू सिह, जिला परिषद अध्यक्ष संगीता देवी, मोहन राजभर, डा प्रकाश चन्द्र कुशवाहा, पूर्व विधायक हेम नारायण साह, सत्यदेव सिह, निकेश चन्द्र तिवारी, मोश अयूब सहित कई लोग उपस्थित थे।

पत्नी से मिलने आए युवक को कोल्डड्रिंक में दिया जहर

अलीगढ़। थाना टप्पल के गांव नगला बिजना में पत्नी से मिलने आए एक युवक की रविवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई। युवक ने मरने से पहले पत्नी पर कोल्डड्रिंक में जहर देने का आरोप लगाया था।

गांव दमुआका की एक युवती की शादी सात साल पहले टप्पल के गांव मथना कीलपुर निवासी मेघश्याम से हुई थी। शादी के बाद दंपती में विवाद के बाद कोर्ट में मामला विचाराधीन है। मेघश्याम के भाई का कहना है कि आज वह अपनी पत्नी से मिलने के लिए गांव नगला बिजना गया था, जहां उसकी पत्नी एक दुकान चलाती है। दुकान पर पहुंचने पर पत्नी ने शोर मचाते हुए दुकान का शटर गिरा दिया और पुलिस को सूचना दी। इस बीच मेघश्याम वहां से गांव जलालपुर पहुंचा, जहां उसकी हालत बिगड़ने पर सीएचसी टप्पल में भर्ती कराया, जहां उसने अपनी पत्नी पर कोल्डड्रिंक में जहर देने का आरोप लगाया। इसके कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। युवक ने कोल्डड्रिंक में जहर देने का आरोप लगाया है। तहरीर मिलने पर जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत मानूडीह, विकास खंड अमानीगंज जिला अयोध्या

पत्रांक मेमो/ निविदा 2025-26

अल्पकालीन निविदा

वित्तीय वर्ष 2025-26 जनपद अयोध्या विकासखंड अमानीगंज के ग्राम पंचायत मानूडीह में मनरेगा /राज्यवित्त 15वां वित्त / योजना अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों के कार्यस्थल पर सीमेंट, मोरंग, बालू, ईट, सरिया, ईट गिट्टी,गिट्टी इत्यादि सामग्रियों की आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक वा मान्य आपूर्तिकर्ता दिनांक 03-07-2025 से 17- 07 -2025 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कार्य दिवस में अल्पकालीन सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 17-07-2025 को ग्राम पंचायत कार्यकारिणी के समक्ष खोली जाएगी । प्रतिबंध नियम शर्ते एवं अन्य विवरण कार्यालय कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय में संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं । कार्य का विवरण निम्नलिखित हैं।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	ग्राम पंचायत मानूडीह में P D S शॉप स्टोर और जनसेवा केंद्र निर्माण कार्य	08.59 लाख

नोट - सामग्री की आपूर्ति आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है

ग्राम प्रधान
अजय कुमार सिंह

ग्राम पंचायत सचिव
हेमंत कुमार

संक्षिप्त खबरें

सिद्धार्थनगर में अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पुलिस जवान की इलाज के दौरान मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया कोतवाली क्षेत्र के बांसी बस्ती मार्ग पर स्थित जोगिया के पास सोमवार देर रात अज्ञात वाहन एक पुलिस के जवान को टक्कर मार दिया। इस घटना में उनकी मौत हो गई। मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार कुशीनगर जनपद के अहिरौली थाना क्षेत्र के भलुही नंबर एक निवासी आशुतोष कुमार सिंह पुलिस विभाग में आरक्षी पद पर नियुक्त हुए थे। वर्तमान में सिद्धार्थनगर जनपद में उनकी तैनाती थी। बताया जा रहा है कि सोमवार रात में वह निकले थे। बांसी बस्ती मार्ग पर जोगिया कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे और आरक्षी को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

युवक का मकान के अंदर छत के पंखे से लटकता हुआ शव मिला

सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम समोगरा में एक 23 वर्षीय युवक का मकान के अंदर छत के पंखे से लटकता हुआ संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला,जिससे क्षेत्र में सनसनी फैला गई। मृतक की पहचान दीनानाथ (23) पुत्र राम कला के रूप हुई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार तिवारी का कहना है कि पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को भारी मात्रा में गांजे के साथ किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिला क्षेत्र में ड्रग पेडलर्स और आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ एक विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इंस्पेक्टर मुनीश कुमार, एसएचओ/पीएस अंबेडकर नगर और इंस्पेक्टर नीरज कुमार एटीओ/पीएस अंबेडकर नगर के नेतृत्व में पीएस अंबेडकर नगर के कर्मचारियों को दिनेश शर्मा, एसीपी/सीआर पार्क के मार्गदर्शन में नारकोटिक्स ड्रग्स और प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को पकड़ने पर विशेष ध्यान देने के साथ अपराधियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का काम सौंपा गया था। एएसआई पंकज राजोरा नंबर 2731/एसडी, एचसी योगेंद्र नंबर 1459/एसडी, एचसी संजीव 795/एसडी और सीटी से मिलकर बनी टीम। हरकेश नंबर 343/एसडी ने गुप्त मुखबिरों को सक्रिय किया और क्षेत्र में सक्रिय ड्रग आपूर्तिकर्ताओं के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों को क्षेत्र में तैनात किया गया। हरकेश नं. 343/एसडी थाना क्षेत्र में गश्त ड्यूटी पर थे। जब वे लक्ष्मी नारायण मंदिर, शमशान घाट रोड, मदनगीर गांव, अंबेडकर नगर, दिल्ली के पास पहुंचे, तो उन्होंने एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में देखा, जब पुलिस कर्मचारियों ने उसके पास जाकर देखा, तो उसने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क कर्मचारियों ने उसे पकड़ने में कामयाबी हासिल की, जिसकी पहचान मनोज राम के रूप में हुई। वह एक बैग ले जा रहा था और बैग की जाँच करने पर, 11.386 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया और उसे जब्त कर लिया गया। तदनुसार, एफआईआर संख्या 283/25 यू/एस 20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत थाना अंबेडकर नगर में मामला दर्ज किया गया और आरोपी मनोज राम को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए।

दो युवकों ने निःसंतान रिश्तेदार महिला के लिए चुराई थी बच्ची

● दो अपहरणकर्ता गिरफ्तार, बच्ची को किया सकुशल बरामद

● रिश्तेदार महिला के लिए मां की बगल से बच्ची को उठा ले गये थे चार दिन में खंगाल डाले 300 सीसीटीवी कैमारे, सर्विलांस की मदद से बच्ची तक पहुंची टीम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना जैत में 26 जून की रात्रि में छटीकरा वृंदावन मार्ग पर चन्द्रोदय मंदिर के पास फुटपाथ पर अपने माता पिता के साथ सो रही नौ महीने की बच्ची अचानक गायब हो गई थी। इस संबंध में अपहरण का मुकद्दमा बच्ची की मां द्वारा थाना जैत पर पंजीकृत कराया गया था। थाना जैत पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने लगभग 300 सीसीटीवी कैमरो की फुटेज एवं इलैक्ट्रोनिक सर्विलांस एवं मैनुअल इनपुट से अपहृत बच्ची को सकुशल बरामद करने में सफलता हासिल की है। दो युवकों को अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया है तथा घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है। विष्णु व नरेश की गिरफ्तारी एवं घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है। पुलिस ने नरेश पुत्र रामवीर सिंह निवासी कीर्ती नगर डिफेंन्स कालोनी थाना सदर बाजार आगरा कैन्ट जिला आगरा व विष्णु कुमार उर्फ राजा पुत्र हरदम सिंह निवासी डिफेंन्स कालोनी महोली रोड थाना हाइवे मथुरा वर्तमान पता न्यू पुष्प वाटिका कालोनी चांदबारी रोड सारस चौराहा भरतपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। दोनों ही अभियुक्तों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि अपनी रिश्तेदार महिला के कोई बच्चा न होने पर विष्णु से कोई नवजात बच्चा गोद दिलाने को कहा था। जिस पर विष्णु द्वारा अपने साथी नरेश के साथ मिलकर थाना जैंत क्षेत्र से बच्ची का अपहरण कर अपनी रिश्तेदार महिला के पास ले जाकर बच्ची को दिया तो उसने नौ माह की बच्ची को लेने से इंकार कर दिया क्योंकि उसको नवजात शिशु की आवश्यकता थी। इसके बाद अभियुक्तों ने बच्ची को अपनी एक जानकार महिला के पास यह कहकर छोड दिया कि यह बच्ची अनाथ है तथा तुमसे अच्छी देखभाल इसकी कोई नही कर सकता है।

इस पर महिला ने बच्ची को गोद लेने के लिए कानूनी कार्यवाही के लिए कहा तो विष्णु ने बच्ची को उस महिला से लेकर कहीं और ले जाने की फिराक में दिल्ली की तरफ जा रहे थे जिन्हे पुलिस द्वारा अपहृत बच्ची को बरामद करते हुये गिरफ्तार कर लिया गया। थाना जैत पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही में छटीकरा फ्लाई ओवर के पास से मंगलवार को करीब 11.50 बजे गिरफ्तार किया गया। बच्ची के माता पिता यहां गैर जनपद से आकर मजदूरी करते थे और परिवार के साथ झौंपडी बना कर रह रहे थे। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार थाना जैत, एसओजी प्रभारी एसआई राकेश कुमार यादव, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, एसआई पवन कुमार चौकी प्रभारी नयति थाना जैत, एअसाई जय सिंह चौकी प्रभारी आझई थाना जैत, एसआई शिवम कुमार थाना जैत आदि थे।

खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित करने के लिए चलाया विशेष अभियान

● खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित करने के लिए चलाया विशेष अभियान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से 26 से 30 जून तक अभियान चलाया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा छाता क्षेत्र से खोआ बर्फी, अरहर दाल, बेसन का एक एक नमूना व हल्दी पावडर, लाल मिर्च पावडर, दलिया, राजश्री पान मसाला, तानसेन पान मसाला, सोयाबीन रिफाइण्ड ऑयल, सूखा नारियल, सरसों का तेल, खाद्य तेल (कढ़ाई से), हल्दी पावडर, पोहा, चाय, गरम मसाला, पान मसाला व रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का एक एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। जितेन्द्र सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा गोवर्धन तहसील क्षेत्र से फोर्टिफाइड रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। मोहर सिंह कुशवाह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा डेम्पियर नगर से पनीर के तीन व सरसों का तेल, ड्राई फ्रूट मिक्सचर, रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का एक एक नमूना संग्रहित किया गया। भरत सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा राधा वाटिका मथुरा से मैंगो ड्रिंक का एक नमूना और कुंज नगर, मथुरा से चावल का एक नमूना व लाल मिर्च पावडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, अरहर दाल, बेसन का एक एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। दलवीर सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बलदेव रोड, महावन से मिश्रित दूध के दो, खीर मोहन के तीन तथा हल्दी, खोआ, मसूर दाल, अरहर दाल व चाय का एक एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया तथा राधा वाटिका मथुरा में स्थित निर्माण इकाई से एनर्जी ड्रिंक का एक नमूना लिया। राम नरेश खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मांट तहसील क्षेत्र से मिल्क केक व खोआ का एक एक नमूना संग्रहित किया गया। रीना शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा वृन्दावन से कलाकन्द मिठाई का एक नमूना व कृष्णा कुटीर, वृद्धाआश्रम से हल्दी पावडर, धनिया पावडर, सेंधा नमक, तैयार सब्जी, चावल, रोटी का एक-एक सर्विलांस नमूना तथा बेसन, बूंदी, चना सत्तू, मेगी का एक एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार कुल 56 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किये गए।

उक्त संग्रहित खाद्य नमूनें विश्लेषण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। आगामी मुड़िया मेला के दृष्टिगत खाद्य कारोबारकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि मेला अवधि में आने वाले श्रद्धालुओं को गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाएं तथा अपने प्रतिष्ठानों में दृश्य स्थान पर अनुज्ञप्ति पंजीकरण अवश्य प्रदर्शित करें, खाद्य पदार्थ की रेट लिस्ट लगायें, खाद्य पदार्थों को ढककर रखें, खाद्य परिसर व आस पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाये। मुड़िया मेला को पॉलीथिन मुक्त बनाने में सहयोग करें। समस्त खाद्य कारोबार करता अपने प्रतिष्ठानों पर ढक्क्नयुक्त डस्टबिन अवश्य रखें। खाद्य पदार्थ का निर्माण व विक्रय करते समय हैड कैप, एप्रिन, हैन्डग्लब्स का प्रयोग करना सुनिश्चित करें।

वृंदावन परिक्रमा पर है नगर आयुक्त का विशेष ध्यान

● तीन किलोमीटर चल कर परिक्रमा मार्ग का किया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। परिक्रमार्थियों एवं श्रद्धालुओं के सुविधार्थ आज नगर निगम मथुरा वृन्दावन के नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा वृन्दावन परिक्रमा मार्ग के केसी घाट से पानी घाट चौराहा तक तीन किलोमीटर पैदल भ्रमण कर परिक्रमा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान घाटों पर स्नान के दौरान कपडे बदलने हेतु केशी घाट पर नवीन चेंजिंग रूम स्थापित स्थापित किए जाने के निर्देश अवर अभियंता निर्माण श्री अरुण कुमार को दिए गए। परिक्रमा मार्ग एवं घाटों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र चालू कराने तथा प्रेम महाविद्यालय के बाहर फसाड लाइट लगाए जाने हेतु अवर अभियंता (पथ प्रकाश) को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान परिक्रमा मार्ग में स्थित खाली प्लॉटों में गंदगी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्लॉट भवन स्वामियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परिक्रमा मार्ग पर विशेष साफ सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। परिक्रमा मार्ग के मुख्य स्थलों पर डस्टबिन लगाए जाने हेतु जोनल स्वास्थ्य अधिकारी को आदेशित किया गया। अपर नगर आयुक्त एवं सहायक नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन परिक्रमा मार्ग एवं प्रमुख मंदिर मार्गो का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियंता (जल) को परिक्रमा मार्ग में बंद पड़ी प्याऊओं को चालू कराने एवं सीवर ओवरफ्लो की समस्या न हो, इस हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मौके पर सीपी पाठक (अपर नगर आयुक्त), अनुज कौशिक (सहायक नगर आयुक्त), डॉ. गोपाल गर्ग (नगर स्वास्थ्य अधिकारी), राम कैलाश (अधिशाषी अभियन्ता जल), नन्द किशोर (सहायक अभियन्ता, जल), अरूण कुमार (अवर अभियन्ता, निर्माण), मुकेश सिंह (राजस्व निरीक्षक), (अवर अभियन्ता, पथ प्रकाश), महेश चन्द (जोनल स्वास्थय अधिकारी), सुभाष (सफाई एवं खाद्य निरीक्षक), श्रीगोपाल वशिष्ठ (प्रधान लिपिक), प्रवर्तन दल टीम, उज्जवल बृज के प्रतिनिधि व नेचर ग्रीन के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

सपाइयों ने अनाथ बच्चों के साथ मनाया मुखिया का जन्मदिन

● पार्टी की रीति नीति पर चलकर 2027 में सफलता का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन पर सपा के कार्यकर्ताओं ने वृंदावन नारायण अनाथालय में अनाथ बच्चों के बीच खुशियां बांटी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्म दिवस सपा कार्यकर्ताओं द्वारा वृंदावन में गरीब, अनाथ व बेसहारा बच्चों के साथ मनाया गया। साथ ही को पार्टी की रीति नीति पर चलने और 2027 में यूपी में सरकार बनाने का संकल्प भी लिया गया। मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने अखिलेश यादव के जन्मदिन के मौके पर कहा कि अखिलेश यादव न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश के युवाओं की प्रेरणा हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में किसानों, नौजवानों, महिलाओं और व्यापारियों के लिए जो योजनाएं लागू कीं, वे आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयां छुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए हर कार्यकर्ता को अभी से जुट जाना चाहिए। युवजन सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष मुन्ना मलिक पार्षद और मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष राघवेंद्र ठाकुर ने कहा अखिलेश यादव ने हमेशा जनता के हित में कार्य किया है। जब वह प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो हर तरफ विकास ही विकास किया गया था। तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई थीं, जिसका लाभ जनता को मिला था। आज जनता समाजवादी पार्टी के उसी शासन काल को याद कर रही है। युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार और युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय ने कहा कि डा. लोहिया, जनेश्वर मिश्र आदि नेताओं के बताए रास्ते को आत्मसात करते हुए समाजवादी आंदोलन की परंपरा को आगे बढ़ाने में सपा मुखिया अखिलेश यादव प्रयत्नशील हैं। इस मौके पर मुख्यरूप से लोहिया वाहिनी के नि जिला अध्यक्ष पवन चौधरी, राजेंद्र फरारी, शाहबाज कुरैशी, नकुल राजावत, मोनू ठाकुर, छोटू ठाकुर, गुल्लू कुरैशी, राज पांडे, विनय ठाकुर आदि उपस्थित थे

रैपुरा जाट पुलिस चौकी के नए भवन का हुआ उद्घाटन

● हवन यज्ञ में एसपी सिटी सहित दूसरे अधिकारियों ने लिया भाग

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। फरह थाना क्षेत्र के अंतर्गत रैपुरा जाट पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी ओर समाजसेवी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम मे पहुंचे एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी श्वेता वर्मा, फरह थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह वरिष्ठ समाजसेवी विक्रम सिंह, महेंद्र शर्मा जितेन्द्र चौधरी सहित अन्य लोगों ने उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया। चौकी प्रभारी तेजेन्द्र सिंह ने चौकी क्षेत्र की जानकारी दी इस मौके पर नगर अधीक्षक मथुरा राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी श्वेता सिंह ने फीता काटकर चौकी का उद्घाटन किया इस मौके पर नगर अधीक्षक राजीव कुमार ने कहा कि रैपुरा जाट हाइवे की मुख्य चौकी है अभी तक यह चौकी मथुरा-आगरा हाइवे पर स्थित थी,और जर्जर हालत मे थी अब यह चौकी आगरा-मथुरा हाइवे पर बनाई गई है और यह चौकी कैमरा,वाईफाई सहित आधुनिक सुविधा से लैस चौकी है इस चौकी की स्थापना से आसपास के लगभग दो दर्जन गांवों की जनता को सुरक्षा की सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा क्षेत्राधिकारी श्वेता सिंह व थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह ने उदघाटन से पूर्व आनंद शास्त्री द्वारा चौकी पर किए गए हवन में हिस्सा लिया और भगवान की आरती व वृक्षा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके समाज सेवी विक्रम सिंह ने बताया कि चौकी क्षेत्र में दर्जनों इंजीनियरिंग कॉलेज, उत्तरी और दक्षिणी बाईपास निकलते है अब इस चौकी की वजह से अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगेगा इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष,राष्ट्रीय जाट एकता संगठन जितेन्द्र चौधरी, एडवोकेट विक्रम सिंह, समाजसेवी महेंद्र शर्मा, ग्राम प्रधान हरेंद्र चौहान, वीरपाल, राजकुमार, हरेंद्र सिंह, ठाकुर जीतू, मनोज चौधरी, ठाकुर सत्तों पोरी, इंजीव आशुतोष चौहान,मोनू शर्मा, राजू चाहर, राधेश्याम सिंह, फौजी मेम्बर सिंह, बबलू प्रजापत, नंदकिशोर प्रधान सहित सैकड़ों ग्रामीण और थाने का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

गोवर्धन में दिखने लगी मुड़िया मेला की रौनक

● पुलिस ने कस्बे में किया फ्लैग मार्च, अतिक्रमण न करने की दी हिदायत

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गोवर्धन में रौनक दिखने लगी है। मुड़िया पूर्णिमा का मेला पूर्णिमा से शुरू होगा लेकिन गोवर्धन कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र और पूरे परिक्रमा मार्ग में व्यवस्थाएं चाक चौबंद की जा चुकी हैं। मेला का लाभ उठाने और कारोबार करने के लिए दूर दराज से लोग पहुंच रहे हैं तो स्थानीय दुकानदार भी पूरी तैयारी कर चुके हैं। दूसरी ओर नगर पंचायत और जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने से लेकर दूसरी कई प्रक्रिया पूरी कर ली है। सुरक्षा की दृष्टि से भी लगातार तैयारियों को रिहर्सल किया जा रहा है। हर साल इस अनुमान के साथ तैयारियों को अंतिमरूप दिया जाता है कि मेला में एक करोड के आसपास श्रद्धालु आएंगे। इसी के ध्यान में रख कर पार्किंग से लेकर यातायात तक की व्यवस्थाएं की जाती हैं। आगामी मुड़िया पूर्णिमा मेला 2025 के दृष्टिगत एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह तथा रवि त्यागी प्रभारी निरीक्षक गोवर्धन की पुलिस टीम के साथ कस्बा गोवर्धन में दानघाटी मंदिर से लेकर जमुनावता तिराहा तक पैदल भ्रमण किया गया स सड़क के किनारे के व्यापारियों से सड़क पर अतिक्रमण न किए जाने तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सहयोग किऐ जाने का अनुरोध किया गया।

सिद्धार्थनगर में लाठी डंडे से पीटकर तीन पौतो ने दादा को मार डाला, दो गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जिले के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बनकटा पश्चिम में तीन पोतों ने मिलकर लाठी डंडे से पीटकर अपने दादा की हत्या कर दी। सोमवार आधी रात तीनों अपने पिता से विवाद कर रहे थे। तभी बचाने आए दादा पर तीनों टूट पड़े। उनके सिर पर लाठी से हमला कर दिया। बेहोश होकर वह गिर गए। परिजन उन्हें तुरंत लेकर अस्पताल गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रामकरन यादव (65) पुत्र मंगरे यादव के रूप में हुई है। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बनकटा पश्चिम गांव में मृतक रामकरन का परिवार रहता था। घर में उनके अलावा उनके दो बेटे वीरेंद्र कुमार यादव और शिव कुमार यादव, बहू और तीन पोते आकाश, विकास और दुर्गेश रहते थे। परिवार में आए दिन विवाद होता था। सोमवार की शाम भी कहासुनी हुई।इसी को लेकर रात में झगड़ा हुआ तो तीनों पोतो ने दादा को मार डाला। मंगलवार भोर में पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। Dainik Bhaskar मृतक के बेटे वीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि अक्सर घर में किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। कल शाम को भी मेरे भाई शिव कुमार से विवाद हुआ। कल आधी रात को शिवकुमार के तीनों बेटे लाठी डंडा लेकर आ गए। मुझे पीटने लगे।मेरी आवाज सुनकर पिता मुझे बचाने आए। इतने में वो तीनों उन पर टूट पड़े। उनके सिर में कई लाठी मार दिए। वह बेहोश होकर गिर पड़े। उनके सिर से खून बहने लगा। थोड़ी ही देर में खून से लथपथ हो गए। जमीन पर खून फैल गया। चिल्ला कर सभी को बुलाया। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। उन्हें उठाकर लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां जांच के बाद डॉक्टर ने गंभीर हालत देख सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मंगलवार भोर में पुलिस घर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने जांच की। दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। एक मौके से फरार हो गया क्षेत्राधिकारी इटवा शुभेंदु सिंह ने बताया कि आरोपी मृतक के पोते हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच कर जांच की गई है। दो हिरासत में है एक की तलाश की जा रही है। विधिक कार्यवाही जारी है।

सिद्धार्थनगर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हुआ शुभारंभ

● प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी ने किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर।1 जुलाई से 31जुलाई तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान द्वितीय चरण को जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 एवं सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा लोगों को संचारी रोग नियंत्रण से बचाव हेतु संचारी रोग नियंत्रण को लेकर गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि 15 दिन से अधिक बुखार से पीड़ित है तो नजदीक अस्पताल व आशा से करें सम्पर्क। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि साफ-सफाई व्यवस्था ठीक कराये। इसके अलावा जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0, डीएफओ पुष्प कुमार के0 एवं मा0 सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल एवं अन्य लोगो द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रमोद कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील चौधरी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एसबीआई के चीफ एसोसिएट को सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित

मथुरा। एसबीआई बैंक शाखा सोनई के चीज एसोसिएट महेंद्र कुमार के सेवानिवृत्त होने पर बैंक कर्मचारी एवं स्थानीय लोगों ने विदाई समारोह का आयोजन किया गया ।

जिसमे लोगो ने दुपट्टा व स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी। इस अबसर पर शाखा प्रबंधक भास्कर चक्रवर्ती साहिर सिद्दीकी, अदिति गुप्ता, पवन सोलंकी, किशन सिंह, कमलेश शर्मा, जीवन शर्मा ,अनुराग शुक्ला, महेश चौधरी, सुरेश कुशवाहा आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।